

जुलाई, 2018

अंक योजना – हिन्दी (केन्द्रिक) कोड संख्या 2/1, 2/2, 2/3

विशेष निर्देश : माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से अंक योजना पर भली-भाँति विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
6. यदि परीक्षार्थी ने किसी किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जहाँ उत्तर अधिक अच्छा लिखा गया है तो उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें।
7. प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को काट दें।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर बार-बार अंक न काटें।
9. निर्धारित शब्द सीमा से विचलन पर अंक न काटे जाएँ।
10. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 प्रतिशत अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं, या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक भी दिए जा सकते हैं।
11. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस पर गलत (X) चिह्नित कर (0) अंक दिए जाएँ।

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|---------|---------|--|----------------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 1. | 1. क | 2. ङ | 1. छ | <p>खंड 'क'</p> <p>अपठित गद्यांश—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सरल रहकर ● शालीनता के साथ मन की बात कहकर ● मुस्कुराहट बिखेरकर ● अपने तथा दूसरों को सहज स्वीकार कर <p>(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p> | 15 |
| | ख | च | क | सोच-विचारकर कम से कम शब्दों में अपनी बात कहनेवाले को | 2 |
| | ग | छ | ज | बोलने की क्षमता होने के बाद भी व्यर्थ नहीं बोलना, वाणी और क्रिया पर नियंत्रण से प्रभावी संप्रेषण | 2 |
| | घ | ज | घ | सोच-विचारकर बोलना, शक्ति और क्षमता का अनुभव; अतिशयोक्ति करना | 1+1=2 |
| | ङ | क | ख | बिना विचारे अधिक बोलकर; मौन का अभ्यास | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|------|------|--|----------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 2. | च | ख | च | कर <ul style="list-style-type: none"> • काम के दबाव से राहत • शक्ति और क्षमता का अनुभव | 1+1=2 1+1=2 |
| | छ | ग | ग | ऐसी वाणी जो उत्तेजित न करे, सच्ची, प्रिय और हितकारी हो | 2 |
| | ज | घ | ड | वाणी की तपस्या/मौन की साधना/व्यक्तित्व की सरलता (अन्य उपयुक्त शीर्षक पर अंक दिए जाएँ) | 1 |
| | 2. क | 1. ड | 2. ग | अपठित काव्यांश— सुख में सबकी न्यायोचित भागीदारी | 1x5=5 1 |
| | ख | घ | ड | न्याय एवं स्वत्व—प्राप्ति के लिए युद्ध को | 1 |
| | ग | ग | क | जिन लोगों का शोषण हो रहा है उन्हें जीने का अधिकार है या नहीं? | 1 |
| | घ | ख | घ | माँगने से अधिकार नहीं मिले तो युद्ध लड़कर भी हासिल करते हैं। | 1 |
| | ड | क | ख | <ul style="list-style-type: none"> • शांति तभी स्थापित होगी जब सबको न्यायोचित अधिकार प्राप्त होंगे। | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|-----|--|---------------------------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 3. | 3. | 5. | 4. | <ul style="list-style-type: none"> अपने अधिकार के लिए लड़ना उचित है। <p style="text-align: center;">खंड 'ख'</p> <p>अनुच्छेद लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु – 2 प्रस्तुति – 2 भाषा – 1 | 1 |
| 4. | 4. | 7. | 3. | <p>पत्र लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ –1 विषय-वस्तु –3 भाषा –1 | 5 |
| 5. | क | ग | ड | <p>अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न—</p> <p>छपकर प्रसारित होनेवाले जनसंचार माध्यमों – अखबार, पत्रिकाएँ और पुस्तकों को</p> <ul style="list-style-type: none"> सरल, सहज शब्दों का प्रयोग संक्षिप्ताक्षरों और संकेत चिह्नों का प्रयोग नहीं छोटे वाक्यों का प्रयोग स्पष्ट उच्चारण <p>(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p> | 1x5=5 1 1/2+1/2=1 |
| | ख | ख | घ | | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|------|--|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 6. | ग | क | ग | <ul style="list-style-type: none"> • सूचना देना • शिक्षित करना • मनोरंजन • एजेंडा तय करना • सरकार और संस्थाओं की निगरानी करना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) | 1/2+1/2=1 |
| | घ | ङ | ख | जिज्ञासा | 1 |
| 6. | ङ | घ | क | किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अखबार की राय प्रकट करने वाला स्तंभ लेख | 1 |
| | 6. | 4. | 5. | फीचर लेखन <ul style="list-style-type: none"> • विषय वस्तु – 2 • प्रस्तुतीकरण – 2 • भाषा – 1 | 5 |
| 7. | 7. | 6. | अथवा | आलेख लेखन <ul style="list-style-type: none"> • विषय वस्तु – 2 • प्रस्तुतीकरण – 2 • भाषा – 1 | 5 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन | |
|------------|-----------------------|------|-----|--|--|-------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | | |
| 8. | अथवा | अथवा | 6. | <p>पुस्तक-समीक्षा लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पुस्तक और लेखक का नाम – 1 ● समीक्षा के दो बिंदु – 2 ● ● प्रस्तुतीकरण – 1 <p>खंड 'ग'</p> <p>काव्यांश पर आधारित चार प्रश्नों के उत्तर-</p> <p>संसार की प्रवृत्ति धन-वैभव जोड़ने की है, कवि ऐसे जग को हर कदम टुकराता है।</p> <p>स्वाभिमान से भरे कवि के निजी संसार का वह हिस्सा जो वैभव से रहित है, कवि इसे महलों के ऐश्वर्य से बेहतर मानता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विरोधाभास मूलक स्थितियों को साधना ● दुःखभरी दुनिया में मस्ती का भाव ● संसार में व्याप्त नकारात्मकता के बीच सकारात्मक भावों को बचा कर रखना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) ● कवि अपनी सर्जनात्मकता से नित्य ही कितने संसार बनाता और मिटाता है। | 5 | |
| | 8. | अथवा | 10. | | <p>खंड 'ग'</p> <p>काव्यांश पर आधारित चार प्रश्नों के उत्तर-</p> <p>संसार की प्रवृत्ति धन-वैभव जोड़ने की है, कवि ऐसे जग को हर कदम टुकराता है।</p> <p>स्वाभिमान से भरे कवि के निजी संसार का वह हिस्सा जो वैभव से रहित है, कवि इसे महलों के ऐश्वर्य से बेहतर मानता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विरोधाभास मूलक स्थितियों को साधना ● दुःखभरी दुनिया में मस्ती का भाव ● संसार में व्याप्त नकारात्मकता के बीच सकारात्मक भावों को बचा कर रखना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) ● कवि अपनी सर्जनात्मकता से नित्य ही कितने संसार बनाता और मिटाता है। | 2x4=8 |
| | क | क | क | | | 2 |
| | ख | ख | ख | | | 2 |
| | ग | ग | ग | | | 2 |
| | | घ | घ | | घ | 2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|--------|--|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| | अथवा क | 11. क | अथवा क | <ul style="list-style-type: none"> कवि की रचनात्मकता जीवन की परस्पर विरुद्ध स्थितियों को साधती है—'रोदन में राग' और 'शीतल वाणी में आग' का उदाहरण समाज में व्याप्त जातिवाद आर्थिक अभाव धार्मिक उदारता – 'मसीत को सोइबो' (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) | 1+1=2 |
| | ख | ख | ख | <p>लोगों के कहने-सुनने और निंदा करने का;</p> <p>तुलसी केवल श्रीराम के गुलाम हैं, अन्य किसी की परवाह नहीं करते</p> | 1+1=2 |
| | ग | ग | ग | <p>अराध्य श्रीराम के प्रति अपनी भक्ति पर तुलसी गर्व का अनुभव करते हैं; श्रीराम ही उनके स्वामी और रक्षक हैं।</p> | 1+1=2 |
| | घ | घ | घ | <p>जातिवादी रवैये की परवाह नहीं करते हुए तुलसी सामाजिक विषमताओं का मुखर विरोध करते हैं, साथ ही समाज से किसी भी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते हैं।</p> | 2 |
| | 9. क | 10. ख | 11. क | <p>काव्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> मानवीकरण अलंकार | 2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|-----|---|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 9. | ख | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> उत्प्रेक्षा अलंकार <p>प्रातःकालीन आकाश साफ नीले जल के समान दिख रहा है। नीले आकाश में उगता सूर्य ऐसा लग रहा है मानो स्वच्छ नीले जल में किसी की गोरी देह हिल रही हो। सूर्योदय होने पर उषाकाल का सौंदर्य समाप्त हो रहा है।</p> | 2x3=6 |
| | ग | क | ख | <p>नीले जल में गोरी देह की झिलमिलाती आभा का गतिशील दृश्य बिंब, सूर्य उदय के साथ रंगों के जादू का समाप्त होना</p> | 2 |
| | 10. | क | ख | <p>9.</p> | 2 |
| 10. | ख | ग | ख | <ul style="list-style-type: none"> कविता /साहित्य को; साहित्य चिंरतन है उससे मिलने वाला आनंद समाप्त नहीं होता जितना बाँटा जाता है उतना ही बढ़ता है हर पाठक को अपना अर्थ प्राप्त होता है <p>(प्रथम एवं अन्य किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p> | 3+3=6 |
| | | | | | 1½+1½=3 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|-----|---|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 11. | ग | क | क | <ul style="list-style-type: none"> सीधी-सहज बात को सरल भाषा में अभिव्यक्त करना ही उचित भाषा के शब्दजाल में न उलझकर सहज और प्रचलित शब्दों का प्रयोग घुमावदार टेढ़ी भाषा से कथ्य का प्रभाव कम होना | 1+2=3 |
| | 11. | 12. | 8. | <p>गद्यांश पर आधारित चार प्रश्नों के उत्तर-</p> <ul style="list-style-type: none"> स्वार्थ की प्रवृत्ति सुविधाओं की माँग त्याग और समर्पण का अभाव <p>(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p> | 1+1+1=3 |
| | क | घ | ग | <p>स्वयं को सुधारकर; व्यक्ति केवल अपने लिए न सोचकर त्याग की भावना भी सीखे</p> | 2x4=8 |
| | ख | ग | ख | <p>समाज में फैले भ्रष्टाचार का अंग न बनें। स्वयं सुधरेंगे तभी समाज सुधरेगा</p> | 1+1=2 |
| | ग | क | क | <p>विकास के नाम पर अनेकों योजनाएँ बनती हैं, बहुत सारा पैसा खर्च होता है परंतु भ्रष्टाचार के कारण जरूरतमंद आदमी तक सहायता नहीं पहुँच पाती</p> | 2 |
| | घ | ख | घ | | 2 |
| | | | | | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-------------------------|-------------------------|-------------------------|--|--|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 12. | 12. क ख ग घ | 14. ख ग क ङ | 13. घ ङ क ग | <p>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अपना समृद्धिसूचक नाम 'लछमिन' किसी को नहीं बताना चाहती; ● प्रायः सभी को अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है ● स्वयं महादेवी को अपना नाम भी विरोधाभासी लगता है। ● अपनी आवश्यकता को समझेंगे ● जरूरी सामान की सूची बनाकर बाज़ार जाएँगे ● बाज़ार में उपलब्ध गैरजरूरी वस्तुओं के आकर्षण एवं प्रलोभन की ओर ध्यान नहीं देंगे ● बीमारी से लड़ने का हौसला देकर ● निराशा के माहौल में आशा की संजीवनी शक्ति का संचार कर ● मृत्युभय से पसरे सन्नाटे को ढोलक की थाप की ध्वनि से तोड़कर ● संसारिक बंधनों से मुक्त संन्यासी से; ● विपरीत परिस्थितियों में फूलते जाना ● सुख-दुख दोनों से ऊपर उठकर रहना | <p>3x4=12</p> <p>1+2=3</p> <p>1+1+1=3</p> <p>1+1+1=3</p> |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|-----|--|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 13. | ड | घ | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● राष्ट्र की नयी सीमा-रेखाएँ खींचे जाने पर भी उनके अंतर्मन को विभाजित नहीं कर पाई है। ● राजनीतिक तौर पर भले ही सिक्ख बीबी का वतन अब भारत हो लेकिन उनका दिल अभी भी लाहौर में ही रमता है ● अपनी भूमि से विस्थापन का दर्द | 1+1+1=3 |
| | 13. | 8. | 12. | <p>प्राप्त जीवन मूल्य-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● कर्मठ कार्य शैली ● नौकरी के तौर-तरीके ● आदर्शवादी व्यक्तित्व ● परोपकारी स्वभाव <p>(मूल्यों के उपयोगी रहने संबंधी विद्यार्थियों द्वारा दिए गए तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)</p> <p>उपयोगी-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● समय के पाबंद रहे ● सहकर्मियों के साथ मृदुल व्यवहार ● सामाजिकता का निर्वाह ● नए विचारों के लिए संशय | 1+1+1=3 |
| | | | | | 2½+2½=5 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|----------|----------|--|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 14. | 14. क | 13. क | 14. क | <ul style="list-style-type: none"> पिता द्वारा विद्यालय छोड़वा देने पर भी कथानायक आनंद द्वारा पढ़ाई फिर से शुरू करना कक्षा में सहपाठियों द्वारा परेशान किए जाने पर भी कक्षा के मेधावी छात्रों में गिनती घर जाकर खेती का काम करने पर भी कविता, अभिनय करते जाना कागज़-पेंसिल पास न होने पर लकड़ी के टुकड़े से भैंस की पीठ पर लिखना, छोटे कंकड़ से पत्थर पर लिखना; <p>क्योंकि—</p> <ul style="list-style-type: none"> विपरीत परिस्थितियों में व्यक्तित्व का निखार संघर्ष के साथ जीवन जीने की प्रेरणा <p>(विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> अनाज में ज्वार, बाजरा, रागी की उपज (बीज मिले हैं) कपास की खेती (सूती कपड़ा मिला है) | 3+2=5 |
| | ख | ख | ख | | 5 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-----|-----|---|------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| | | | | <ul style="list-style-type: none"> ● मुख्यतः रबी की फसल का उत्पादन ● कुएँ और नहर जैसे सिंचाई के साधनों की उपलब्धता ● अनाज के भंडारण के लिए मिट्टी के पात्र, कोठार <p>(विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य तर्कपूर्ण बिंदु भी स्वीकार्य)</p> | |
| | | | | | |